



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITYसं. 267]
No. 267]नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जून 15, 2006/ज्येष्ठ 25, 1928
NEW DELHI, THURSDAY, JUNE 15, 2006/JYAISTA 25, 1928

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 15 जून, 2006

सा.का.नि. 366(अ).—केन्द्रीय सरकार, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966 (1966 का 31) की धारा 87 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, पंजाब मोटरयान कराधान (संशोधन) अधिनियम, 2000 (पंजाब अधिनियम संख्यांक 2000 का 12) राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को पंजाब राज्य में यथाप्रवृत्त है, को चंडीगढ़ संघ राज्यक्षेत्र में निम्नलिखित उपांतरणों के अध्यधीन विस्तारित करती है, अर्थात् :—

उपांतरण

(1) धारा 1 की उप-धारा (1) में, “पंजाब मोटरयान कराधान (संशोधन) अधिनियम, 2000” शब्दों, कोष्ठकों और अंकों के स्थान पर, “पंजाब मोटरयान कराधान (संशोधन) अधिनियम, 2000 चंडीगढ़ संघ राज्य क्षेत्र में यथाविस्तारित” शब्द, कोष्ठक और अंक रखे जाएंगे ;

(2) धारा 2 में, “पंजाब मोटरयान कराधान अधिनियम, 1924” शब्दों और अंकों के स्थान पर “पंजाब मोटरयान कराधान अधिनियम, 1924 चंडीगढ़ संघ राज्य क्षेत्र में यथाप्रवृत्त” शब्द और अंक रखे जाएंगे ;

(3) धारा 3 में,—

(i) “पंजाब मोटरयान कराधान (संशोधन) अधिनियम, 2000 के प्रारंभ से ही” शब्दों, कोष्ठकों और अंकों, जहां-जहां वे आते हैं, के स्थान पर, “पंजाब मोटरयान कराधान (संशोधन) अधिनियम, 2000 चंडीगढ़ संघ राज्य क्षेत्र में यथाविस्तारित से ही” शब्द, कोष्ठक और अंक रखे जाएंगे ;

(ii) “राज्य सरकार” शब्द, जहां-जहां वे आते हैं, के स्थान पर, “प्रशासक चंडीगढ़ संघ राज्य क्षेत्र” शब्द रखे जाएंगे ;

(iii) “पंजाब राज्य” शब्द, जहां-जहां वे आते हैं, के स्थान पर, “चंडीगढ़ संघ राज्य क्षेत्र” शब्द रखे जाएंगे ;

(4) धारा 4 का लोप किया जाएगा ;

(5) धारा 5 का लोप किया जाएगा ।

[फा. सं. यू-11015/3/2002-यूटीएल]

के. एस. सुगाथन, संयुक्त सचिव

उपाधिनियम

पंजाब राज्य मोटरयान कराधान (संशोधन) अधिनियम, 2000

(2000 का पंजाब अधिनियम संख्यांक 12)

पंजाब मोटरयान कराधान अधिनियम, 1924 का और संशोधन करने के लिए

अधिनियम

भारत गणराज्य के इक्यावनवें वर्ष में पंजाब राज्य विधान मंडल द्वारा निम्नलिखित रूप में यह अधिनियमित हो :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ.—(1) इस अधिनियम का संक्षिप्त नाम पंजाब मोटरयान कराधान (संशोधन) अधिनियम, 2000 है।
(2) ये तुरंत प्रवृत्त होगा।

2. 1924 का पंजाब अधिनियम 4 की धारा 2 का संशोधन.—पंजाब मोटरयान कराधान अधिनियम, 1924 (जिसे इसमें इसके पश्चात् मूल अधिनियम कहा गया है) की धारा 2 के खंड (कक्ष) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(कक्ष) ‘मोटर साइकिल’ से दो पहिये वाला ऐसा मोटरयान अभिप्रेत है जिसमें मोटरयान से संलग्न एक अतिरिक्त पहिये वाली साइडकार जो पृथक की जा सकती है, सम्मिलित है;”;

3. 1924 का पंजाब अधिनियम 4 की धारा 3ख, धारा 3ग, धारा 3घ और धारा 3ड का प्रतिस्थापन.—मूल अधिनियम की धारा 3ख, धारा 3ग, धारा 3घ और धारा 3ड के स्थान पर निम्नलिखित धाराएं रखी जाएंगी, अर्थात् :—

“3ख. मोटर साइकिल पर एकमुश्त राशि में कर को अधिरोपित करना.—धारा 3 में किसी बात के होते हुए भी, पंजाब मोटरयान कराधान (संशोधन) अधिनियम, 2000 कि प्रारंभ होने से ही, मोटर साइकिल पर एकमुश्त राशि कर उदग्रहणीय होगी जो राज्य सरकार द्वारा, मोटर साइकिल की कीमत के आधार पर, जो मोटर साइकिल की मूल्य के अधिकतम दस प्रतिशत के अध्यधीन होगी, जो अधिसूचना द्वारा अधिसूचित की जाएगी।

3ग. कतिपय मामलों में कर की वापसी.—जहां किसी मोटर साइकिल का स्वामी जिसने धारा 3ख के अधीन एकमुश्त राशि कर के रूप में संदत्त की है, पंजाब राज्य का निवासी नहीं रहता है और ऐसी मोटर साइकिल के साथ बाहर चला जाता है या किसी ऐसे व्यक्ति को मोटर साइकिल का स्वामित्व हस्तांतरित कर देता है जो पंजाब राज्य के बाहर का निवासी है तब उसके द्वारा एकमुश्त राशि कर को आंशिक रूप से प्रतिदेय किया जाएगा जो नीचे विनिर्दिष्ट रूप में अनुज्ञात होगा :—

| | | |
|----------|--|--|
| क्रम | रेजिस्ट्रीकरण की तारीख के पश्चात् मोटर | मोटर साइकिल पर कर के प्रतिदेय की रकम |
| संख्यांक | साइकिल के उपयोग की अवधि | |
| 1. | जब तीन वर्ष से कम हो | धारा 3ख के अधीन पहले से ही संदत्त कर की रकम का साठ प्रतिशत |
| 2. | तीन वर्ष या अधिक किन्तु छह वर्ष से कम हो | धारा 3ख के अधीन पहले से ही संदत्त कर की रकम का चालीस प्रतिशत |
| 3. | छह वर्ष या अधिक किन्तु नौ वर्ष से कम हो | धारा 3ख के अधीन पहले से ही संदत्त कर की रकम का तीस प्रतिशत |
| 4. | नौ वर्ष या अधिक | धारा 3ख के अधीन पहले से ही संदत्त कर की रकम का दस प्रतिशत |

3घ. चार पहिये के व्यक्तिगत मोटरयान पर कर के रूप में एकमुश्त राशि को अधिरोपित करना.—धारा 3 में किसी बात के होते हुए भी, मोटरयान कराधान (संशोधन) अधिनियम, 2000 के लागू होने से ही, चार पहिये के व्यक्तिगत मोटरयान पर एकमुश्त राशि कर के रूप में उदग्रहणीय होगी, जो राज्य सरकार द्वारा, चार पहिये के व्यक्तिगत मोटरयान की कीमत के आधार पर जो ऐसे चार पहिये के व्यक्तिगत मोटरयान के मूल्य के अधिकतम दस प्रतिशत के अध्यधीन होगी, अधिसूचना द्वारा अधिसूचित की जाएगी।

3ड. चार पहिये के व्यक्तिगत मोटरयान के संबंध में संदत्त कर की वापसी.—जहां किसी चार पहिये के व्यक्तिगत मोटरयान का स्वामी जिसने धारा 3घ के अधीन एकमुश्त रकम कर के रूप में संदत्त की है, पंजाब राज्य का निवासी नहीं रहता है और ऐसी चार पहिये के व्यक्तिगत मोटरयान के साथ बाहर चला जाता है या किसी ऐसे व्यक्ति को चार पहिये के व्यक्तिगत मोटरयान का स्वामित्व हस्तांतरित कर देता है जो पंजाब राज्य के बाहर का निवासी है तब उसके द्वारा एकमुश्त राशि कर के आंशिक रूप से प्रतिदेय किया जाएगा जो नीचे विनिर्दिष्ट रूप में अनुज्ञात होगा :—

| | |
|----------|--|
| क्रम | रेजिस्ट्रीकरण की तारीख के पश्चात् चार पहिये के व्यक्तिगत मोटरयान पर कर की वापसी की रकम |
| संख्यांक | के व्यक्तिगत मोटरयान के उपयोग की अवधि |
| 1. | जब तीन वर्ष से कम हो |
| 2. | तीन वर्ष या अधिक किन्तु छह वर्ष से कम हो |
| 3. | छह वर्ष या अधिक किन्तु नौ वर्ष से कम हो |
| 4. | नौ वर्ष या अधिक |

4. मूल अधिनियम की अनुसूची 'क' में,—

(i) क्रम संख्यांक 2 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियां रखी जाएंगी, अर्थात् :—

| | |
|--------------------|------------------------------|
| “2 माल वाहन | दर प्रति वर्ष (रुपये में) |
| (क) हल्का मोटर यान | 10,000.00 |
| (ख) मध्यम माल वान | 15,000.00 |
| (ग) भारी माल यान | 20,000.00”; और |

(ii) “अन्य यात्री यान” के उपशीर्ष के अधीन मद संख्या 5 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियां रखी जाएंगी, अर्थात् :—

“5. छोटी बस जिसमें 16 से 30 सीटें हैं

25,000.00”।

निरसन और व्यावृत्ति।

5. (1) पंजाब मोटर यान कराधान (संशोधन) अध्यादेश, 1999 (1999 का पंजाब अध्यादेश संख्यांक 7) इसके द्वारा नरसित किया जाता है।

(2) ऐसी निरसन के होते हुए भी उप-धारा (1) में निर्दिष्ट अध्यादेश द्वारा यथासंशोधित मूल अधिनियम के अधीन की गई कोई बात या कार्रवाई इस अधिनियम के द्वारा यथासंशोधित मूल अधिनियम के अधीन की गई कोई बात या कार्रवाई समझी जाएगी।

एस. एस. ग्रेवाल

सचिव, पंजाब सरकार
विधि और विधायी मामले विभाग

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 15th June, 2006

G.S.R. 366(E).—In exercise of the powers conferred by Section 87 of the Punjab Reorganisation Act, 1966 (31 of 1966), the Central Government hereby extends to the Union Territory of Chandigarh, the Punjab Motor Vehicles Taxation (Amendment) Act, 2000 (Punjab Act No. 12 of 2000) as in force in the State of Punjab on the date of publishing of this notification in the Official Gazette, subject to the following modifications, namely :—

MODIFICATIONS

(1) in Sub-section (1) of Section 1, for the words, brackets and figures, “the Punjab Motor Vehicles Taxation (Amendment) Act, 2000” the words, brackets and figures “the Punjab Motor Vehicles Taxation (Amendment) Act, 2000, as extended to the Union Territory of Chandigarh” shall be substituted;

(2) in Section 2, for the words and figures “the Punjab Motor Vehicles Taxation Act, 1924”, the words and figures “the Punjab Motor Vehicles Taxation Act, 1924, as in force in the Union Territory of Chandigarh” shall be substituted;

(3) in Section 3,

(i) for the words, brackets and figures “on and from the commencement of the Punjab Motor Vehicles Taxation (Amendment) Act, 2000”, wherever they occur, the words, brackets and figures “on and from the extension of the Punjab Motor Vehicles Taxation (Amendment) Act, 2000 to the Union Territory of Chandigarh” shall be substituted;

(ii) for the words “State Government”, wherever they occur, words “Administrator, Union Territory of Chandigarh” shall be substituted;

(iii) for the words “State of Punjab” wherever they occur, the words “Union Territory of Chandigarh” shall be substituted;

(4) Section 4 shall be omitted;

(5) Section 5 shall be omitted.

[F. No. U-11015/3/2002 -UTL]

K. S. SUGATHAN, Jt. Secy.

ANNEXURE

**THE PUNJAB MOTOR VEHICLES TAXATION (AMENDMENT)
ACT, 2000**

(Punjab Act No. 12 of 2000)

AN

ACT

further to amend the Punjab Motor Vehicles Taxation Act, 1924.

Be it enacted by the Legislature of the State of Punjab in the Fifty-one year of the Republic of India as follows :—

1. Short Title and Commencement.—(1) This Act may be called the Punjab Motor Vehicles Taxation (Amendment) Act, 2000.

(2) It shall come into force at once.

2. Amendment of Section 2 of Punjab Act 4 of 1924.— In the Punjab Motor Vehicles Taxation Act, 1924 (hereinafter referred to as the principal Act), in Section 2, for clause (aaa), the following clause shall be substituted, namely :—

“(aaa) “motor cycle” means a two wheeled motor vehicle, inclusive of any detachable side-car having an extra wheel, attached to a motor vehicle ;”;

3. Substitution of Sections 3B, 3C, 3D and 3E of Punjab Act 4 of 1924.— In the principal Act, for Sections 3B, 3C, 3D and 3E, the following sections shall respectively, be substituted, namely :—

“3-B. Imposition of Tax in lump sum on Motor Cycles.— Notwithstanding anything contained in Section 3, on and from the commencement of the Punjab Motor Vehicles Taxation (Amendment) Act, 2000, Tax on motor cycle shall be leviable in lump sum, as may be notified by the State Government on the basis of the price of the motor cycle, subject to the maximum of ten per cent of the value of the motor cycle.

3-C. Refund of tax in certain cases.— Where an owner of a motor cycle in respect of which tax has been paid in lump sum under Section 3-B, ceases to be the resident of the State of Punjab and takes alongwith him such motor cycle or if the ownership of the motor cycle is transferred to a person having residence outside the State of Punjab, then partial refund of the lump sum tax so paid, shall be allowed as hereunder specified :—

| Serial No. | Duration of use after the date of registration of motor cycle | Amount of refund of tax on motor cycle |
|------------|---|--|
| 1. | Less than three years | Sixty per cent of the amount of tax already paid under Section 3-B. |
| 2. | Three years or more, but less than six years | Forty per cent of the amount of tax already paid under Section 3-B. |
| 3. | Six years or more, but less than nine years | Twenty per cent of the amount of tax already paid under Section 3-B. |
| 4. | Nine years or more | Ten per cent of the amount of tax already paid under Section 3-B. |

3-D. Imposition of tax in lump sum on four wheeled personalised motor vehicles.— Notwithstanding anything contained in Section 3, on and from the commencement of the Punjab Motor Vehicles Taxation (Amendment) Act, 2000, tax on a four wheeled personalised motor vehicle shall be leviable in lump sum, as may be notified by the State Government by notification on the basis of the price of the four wheeled personalised motor vehicle, subject to the maximum of ten per cent of the value of such four wheeled personalised motor vehicle.

3-E. Refund of tax paid in respect of four wheeled personalised motor vehicles.—Where an owner of a four wheeled personalised motor vehicle in respect of which, tax has been paid in lump sum under Section 3-D, ceases to be the resident of the State of Punjab and takes alongwith him such four wheeled personalised motor vehicle or if the ownership of the four wheeled personalised motor vehicle is transferred to a person having residence outside the State of Punjab, then partial refund of the lump sum tax so paid, shall be allowed as hereunder specified :—

| Serial No. | Duration of use after the date of registration of the four wheeled personalised motor vehicle | Amount of Refund of tax on four wheeled personalised motor vehicles |
|------------|---|--|
| 1. | Less than three years | Sixty per cent of the amount of tax already paid under section 3-D. |
| 2. | Three years or more, but less than six years | Forty per cent of the amount of tax already paid under Section 3-D. |
| 3. | Six years or more, but less than nine years | Twenty per cent of the amount of tax already paid under Section 3-D. |
| 4. | Nine years or more | Ten per cent of the amount of tax already paid under Section 3-D.”. |

4. In the principal Act, in Schedule 'A'—

(i) for serial No.2, and the entries relating thereto and mentioned thereunder, the following shall be substituted, namely :—

| “2 Goods Carriages | <i>Rate per annum (in rupees)</i> |
|--------------------------|-----------------------------------|
| (a) Light Motor Vehicle | 10,000.00 |
| (b) Medium Goods Vehicle | 15,000.00 |
| (c) Heavy Goods Vehicle | 20,000.00,”; and |

(ii) under the heading captioned as “OTHER PASSENGER VEHICLES”, for item 5, and the entries relating thereto, the following item and entries shall be substituted, namely :—

| | |
|--|-------------|
| “5 Mini Buses having 16 to 30 seats | 25,000.00”. |
|--|-------------|

5. Repeal and saving.—(1) The Punjab Motor Vehicles Taxation (Amendment) Ordinance, 1999 (Punjab Ordinance No. 7 of 1999), is hereby repealed.

(2) Notwithstanding such repeal, anything done or any action taken under the principal Act, as amended by the Ordinance referred to in Sub-section (1), shall be deemed to have been done or taken under the principal Act, as amended by this Act.

S. S. GREWAL,
Secretary to Government of Punjab,
Department of Legal and Legislative Affairs.

1821 Gr I/06-2